an>

Title: Adjournment motion regarding "ActionTaken by the Government on the reported involvement and admission of the Union Minister and related acts and actions in assisting a fugitive and the stand taken by the Government in this regard."

HON. SPEAKER: Hon. Members, I have received notices of Adjournment Motion from Shri Mallikarjun Kharge, Shri K.C. Venugopal, Shri Rajeev Satav, Dr. Thokchom Meinya, Shri D.K. Suresh, Shri R. Dhruvanarayana, Shri Gaurav Gogoi, Shrimati Butta Renuka, Shri P. Karunakaran, Shri Md. Badaruddoza Khan, Shri N.K. Premachandran, Shri M.B. Rajesh, Shri Dharmendra Yadav, Shri Jai Prakash Narayan Yadav and Dr. A. Sampath on different subjects. The matters though important enough do not warrant interruption of business of the day. The issues can be raised through other means. I have, therefore, disallowed all the notices of Adjournment Motion.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हर कोई खड़ा नहीं रहेगा।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने कोई नोटिस भी नहीं दिया।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप रोज-रोज क्यों खड़े होते हैं? प्लीज़ बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं जानती हूँ। I am sorry. मैं आपको पूछूंगी न!

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, I am sorry. Yes, Shrimati Sushma Swaraj.

विदेश मंत्री तथा पूर्वासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, मैं कल उस समय यहाँ बैठी थी,...(व्यवधान) आज आपने अभी बताया,...(व्यवधान) खड़गे जी, दो मिनट दीजिए, ...(व्यवधान)

11.05 hrs

At this stage, Shri K.C. Venugopal, Shri Anto Antony and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष जी, अभी आपने यह बोला कि आज कुछ एडजर्नमेंट मोशंस आए हैं।...(व्यवधान) एक मिनट मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान) जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे जी का भी मोशन है।...(व्यवधान) मैंने वह मोशन देखा है।...(व्यवधान) वह मोशन मेरे विषय से सम्बन्धित है।...(व्यवधान) मैं आपसे प्रार्थना करना चाहती हूँ कि आप खड़गे जी का वह स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर लें।...(व्यवधान) और जिस भाषा में उन्होंने दिया है, उसी भाषा में स्वीकार कर लें।...(व्यवधान) और प्रश्नकाल को स्थगित कराकर तुरन्त चर्चा शुरू करवा दें।...(व्यवधान) आप इनसे कहिए कि ये अपनी सीटों पर जाएं।...(व्यवधान) खड़गे जी चर्चा शुरू करें।...(व्यवधान) मैं चर्चा के लिए तैयार हूँ।...(व्यवधान) स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के लिए मैं तैयार हूँ।...(व्यवधान) उन्हीं की भाषा में तैयार हूँ।...(व्यवधान) बिना फुल स्टाप काटे, बिना कोमा हटाए, मैं उन्हीं की भाषा में, उन्हीं के द्वारा दिये गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हूँ।...(व्यवधान)

महोदया, मेरा आपसे निवेदन है कि आप इनका स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर लें और अभी तुरन्त चर्चा शुरू करवायें और खड़गे जी को कहें कि वह बोलें।...(व्यवधान) मैं और आगे बढ़कर कहना चाहती हूँ कि स्थगन प्रस्ताव पर आप ऐसी चर्चा करवा लें,...(व्यवधान) जिसमें केवल विपक्ष के सांसद बोलें, हमारी ओर से कोई नहीं बोले।...(व्यवधान) और जितने समय वे बोलना चाहें, उतने समय बोलें।...(व्यवधान) और जितने सांसद बोलना चाहें, वे सब बोलें।...(व्यवधान) बस एक निवेदन है, जिस समय मैं उत्तर दूँ, उस समय सदन में जरूर उपस्थित रहें।...(व्यवधान) मेरा उत्तर सुनने के लिए बैठें।...(व्यवधान) मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है कि आप स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर लें, खड़गे जी को बुलवायें।...(व्यवधान) अभी तुरन्त चर्चा शुरू करें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम स्पीकर, हम यह चाहते थे कि इस एडजर्नमेंट मोशन को आप एक्सेप्ट करो, एडमिट करो और जब इतना चैलेंज करके सुषमा जी बोल रही हैं कि इसको डिस्कशन के लिए लिया जाए। आपने एडजर्नमेंट मोशन तो रिजेक्ट किया, लेकिन हम यह चाहते हैं कि एडजर्नमेंट मोशन आप एडमिट करके, सभी बिजनेस पोस्टपोन करके, चर्चा के लिए प्राइम मिनिस्टर को बुलाइए, क्योंकि जब तक प्राइम मिनिस्टर नहीं आएंगे, तब तक यहाँ कुछ नहीं होगा।...(व्यवधान) प्राइम मिनिस्टर को आने दीजिए। ...(व्यवधान) उनके बारे में...(व्यवधान) एक मिनट।...(व्यवधान) अरे ठहरो...(व्यवधान) आपकी पोल खोलता हूँ।...(व्यवधान) आप ठहरिए।...(व्यवधान) मैडम स्पीकर, जब तक प्राइम मिनिस्टर नहीं आएंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उनकी बात नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: वे जब तक यहाँ बैठकर सुनेंगे नहीं, तब तक वह मिनिस्टर के ऊपर एक्शन कैसे लेंगे?...(व्यवधान) How can an accused plead his own case?...(*Interruptions*) We have got allegations against her. ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Hon. Speaker, yesterday, they said: "Take up this on priority." From the Government's side, we have no problem. Now, the hon. External Affairs Minister has come forward saying that she has no problem in taking it up on priority in whatever form it is required. I request the Chair....(*Interruptions*) यह कोई तरीका नहीं है। ...(व्यवधान) If they go, sit in their seats and want to take up this on priority, the Government has no problem. You can convert it. But I respect the ruling of the hon. Speaker. I cannot go against the hon. Speaker's ruling. The hon. Speaker can modify it if they agree to allow the House to function. We can have a two-hour discussion wherein everybody will get an opportunity to know the facts on this issue. ...(*Interruptions*) What is this justice? Now, 500 Members are sitting quietly, 20 Members are shouting and then not allowing the House to function. What is this justice? Let them accept it. We have no problem.

माननीय अध्यक्ष : मैंने माननीय खड़गे जी को भी सुना है, माननीय सुषमा जी और माननीय पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर को भी सुना है।

पहली बात तो यह है कि एक बार मैंने इसको डिसअलाउ किया है। अगर सदन चाहता है, आप सब लोग अगर चाहते हैं तो प्रोसीजर के अनुसार मुझे इसे लेना पड़ेगा। I will go through the procedure. मगर प्रोसीजर में एक बात यह भी है कि स्थगन प्रस्ताव 12 बजे, after Question Hour लिया जाता है। After Question Hour, अगर आप सभी लोग सहमत हैं and if it is according to the procedure, then only after Question Hour, I will think about it. खड़गे जी, स्थगन प्रस्ताव के बारे में आप भी जानते हैं।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: We do not want to challenge your authority but the purpose of giving notice under Rule 56 is that we want to discuss on the Adjournment Motion, not under any other rule, which the Naidu *ji* is proposing. We want Adjournment Motion to be taken up, which has got a value and weightage for voting. For that, we want you to take up Adjournment Motion.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: We have no problem provided the House is in order. Let them go and sit in their seats. Let them follow the rules of the House. We are ready. 12 बजे डिसकशन शुरू करिये। Madam, go through the procedure, decide; we have no problem from our side. The Government is ready for discussion.

HON. SPEAKER: Only thing is, I will have to see this first because today I have just declared that I am disallowing it. आप लोग अपनी जगह पर जाइए। मुझे पहले इस बात को समझने दो, इसके बाद ही मैं आप सबकी रिक्वैस्ट पर एडजर्नमैंट मोशन ले सकती हूँ। मुझे उसके लिए ऑब्जैक्शन नहीं है, लेकिन एडजर्नमैंट मोशन का भी एक प्रोसीजर होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : पहली बात है कि यहाँ खड़े रहकर आप नहीं बोलेंगे। Then only, you are allowed to speak. फालतू जैसी बात यहाँ पर नहीं करते हैं। यह सदन है, सम्मान रखना सीखो। First, you have to respect the House.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Kharge *ji,* I have no objection in take up Adjournment Motion. लेकिन इस तरीके से नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : फिर भी वह शुरू नहीं होता।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: As soon as you came here and presided over the proceedings, at that time, you should have declared that you have admitted our Adjournment Motion; let us start discussion. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No doubt, I have disallowed it because there is a discussion under Rule 193. If the House thinks so, मैं हाउस के अनुसार चलने के लिए तैयार हूँ। I have no objection. I have no objection for taking up Adjournment Motion also. लेकिन एडजर्नमैंट मोशन का भी प्रोसीजर है कि - it can start after 12 noon only. Yes, there are rules.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, ऐसे चर्चा मत करो। It can't be like this.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : जो अरेंजमैंट ऑफ द बिज़नैस है, इसके अनुसार अगर आप देखेंगे तो क्वैश्चन्स होंगे और क्वैश्चन्स के बाद - leave to move Motion for adjournment of the business of the House. बिज़नैस में यही कहा है। उसके अनुसार I will.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग एक बात सुनिये। रूल्स के अनुसार, जो रूल आप ही लोगों ने बनाया है, -

there will be no suspension of Question Hour. So, there is no question of suspension of Question Hour.

â€¦(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, we have asked for suspension of Question Hour. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: But there is no rule as such. आप लोगों के बनाए हुए रूल्स हैं। I am sorry. I will take it after Question Hour. This is the rule. What can I do? First go back to your seats. Then, I would allow everybody. But not like this.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह क्या है, कुछ लोग खड़े हैं, कुछ लोग बोल रहे हैं। ऐसे चलने वाला यह क्या सदन है,

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: In Question Hour there is no point of order पहली बात। क्वश्चन ऑवर सस्पेंड करने का कोई रूल नहीं है, यह समाप्त कर दिया गया है। So there cannot be suspension of Question Hour and in the Directions of the Speaker, it is written that Adjournment Motion will be taken after the Question Hour, not before that. It is written there. There is no suspension of Question Hour at all. I cannot help it.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हमको कोई आपत्ति नहीं है, स्पीकर मैडम को भी कोई आपत्ति नहीं है...(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Madam Speaker, Rule 56 cannot be read in an isolated manner. Kindly read Rule 61 also....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I know.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, first let the House be in order. We have to follow some procedure. Let them first go back to their places. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: मैं पहले ही बोल रही हूं, अगर आप सब चाहते हैं तो I have no objection.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am ready to take up Adjournment Motion, but that is after Question Hour, not before that because there is no suspension of Question Hour, according to rules.

...(*Interruptions*)

11.06 hrs.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

HON. SPEAKER: Q. No. 323 Kumari Shobha Karandlaje.

...(*Interruptions*)

(Q. 323)

KUMARI SHOBHA KARANDLAJE: Madam Speaker, the Minister has given elaborate answer. ...(*Interruptions*) We should feel proud that India is the first developing country in the world to have a geo stationary satellite and INSAT for continuous weather monitoring in this part of the world, particularly for cyclone warning. ...(*Interruptions*) Indian Meteorological Department (IMD) provides very comprehensive weather forecasting for agriculture, aviation, shipping, fisheries, cyclone warning and many other special services for the general public. ...(*Interruptions*) About 80 per cent of our agriculture depends on rains only. ...(*Interruptions*) So weather forecast will help farmers to minimize their losses due to abnormal weather conditions. ...(*Interruptions*) India is a vast country and so we should have proper monsoon forecast. ...(*Interruptions*) The country requires at least 5,000 satellite-based automatic rain gaugers, at least 50 upper air observatories, 50 equipment for preparing profile of wind patterns, 20 cyclone detection radars and 35 storm detection radars. ...(*Interruptions*) There is a need for automatic rain gaugers, wind profilers and storm detection radars. ...(*Interruptions*) The Government should also provide IMD with better observation equipment and super computers. ...(*Interruptions*) In the given situation, the Department is doing a good job. ...(*Interruptions*) But still I would like to ask the Minister, through you, as to what action the Government will take to minimize errors in weather forecasting....(*Interruptions*)

DR. HARSH VARDHAN: Madam, through you, I would like to inform the hon. Member that we are fully equipped to forecast weather and provide all related services. ...(*Interruptions*) At the moment, our services are world-class. Although the Member herself has elaborated, referring to the detailed answer that I have given about the various services and various equipment that are available in the Department, I wish to inform her that we are in the process of further improvement....(*Interruptions*) We are planning to improve our super computing facility from 1.5 petaflop to 10 petaflops....(*Interruptions*) All over the country, as you know, we have various equipments....(*Interruptions*) Like in every district, we already have an automatic weather station. ...(*Interruptions*) We have two automatic rain gauges in every district. ...(*Interruptions*) In places like Delhi, Jaipur, Patiala, Srinagar, Lucknow, Patna, Kolkata, Visakhapatnam, Machilipatnam, Chennai, Mumbai, Bhuj, Bhopal, Nagpur, Assam, Agartala, Hyderabad, and second one in Delhi also, and in Nellore, we have 19 Doppler weather radars....(*Interruptions*) At 39 places, we already have upper air observation stations....(*Interruptions*) As you have also mentioned, we have an INSAT-3D satellite through which, every half-an-hour, we take updates about temperature, humidity, cloud, wind direction and speed....(*Interruptions*) For the immediate future also, we have plans for the hill

areas. We are going to put up 9 more Doppler weather radars, 5 upper air observation systems, 10 micro range radars....(*Interruptions*) For the North East – specifically our focus is as per the directions of the Prime Minister – we are going to put up 12 more radars and 5 upper air observation systems. ...(*Interruptions*) I understand that since the Member belongs to the South, I would like to tell her that we have a Doppler weather radar in Hyderabad which is functional, which is helping Raichur, Gulbarga and Bidar. ...(*Interruptions*) There is one in the process of commissioning in Goa which is going to help the coastal regions, Belgaum, Hubli, Dharwad and Bijapur....(*Interruptions*) One is under commissioning in Kochi which will help the South-West Karnataka region....(*Interruptions*) We have plans to set up Doppler weather radar in Mangalore, Bengaluru and Anantapur....(*Interruptions*) So, we have a very exhaustive programme to ensure that the services which are already very very exhaustive and very very advanced comparable to the best in the world, we are going to improve them further in the coming years....(*Interruptions*) The services that we are making available at the district level all over the country, we have plans to take them up to the block level in the new two years. ...(*Interruptions*)

KUMARI SHOBHA KARANDLAJE: Madam, IMD is fully equipped now....(*Interruptions*) Still the Sikka Committee has given the recommendations. ...(*Interruptions*) I would like to know from the hon.Minister, through you, whether they have any plans to implement the Sikka Committee recommendations. ...(*Interruptions*)

DR. HARSH VARDHAN: Madam, as I said in my reply, and I have given an elaborate reply about the facts also, whatever good recommendations have been given by anyone, our scientists are fully well-equipped. ...(*Interruptions*) We have detailed, definite plans to improve upon what we already have....(*Interruptions*) Our existing facilities are already very good. ...(*Interruptions*) As I have elaborated, we have detailed plans to improve upon what we are already doing....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Pratap Simha – not present.

Shrimati R. Vanaroja

...(*Interruptions*)

SHRIMATI R. VANAROJA: Thank you, Madam. With your permission, I would like to speak from this seat....(*Interruptions*) Although the recent advancement in satellite and in computer technology has helped significantly in improving weather forecast, however our knowledge about the atmosphere is still incomplete and, hence, hundred per cent accuracy in weather prediction is not possible....(*Interruptions*)

The hon. Minister and the Government are aware that the economy of the Countries like India is largely depending on the farming sector. ...(*Interruptions*) Therefore, I would like to know from the hon. Minister as to what steps the Government is taking to make them aware about the accurate weather prediction....(*Interruptions*)

DR. HARSH VARDHAN: Respected Speaker Madam, I wish to disagree a little bit with the observations of the hon. Member. ...(*Interruptions*) I have to inform her that we provide a lot of services through our Department particularly to the farmers and the fishermen, about which she is also concerned. There was a study by the Institute of Applied Economic Research. â€¦ (*Interruptions*) They said that the services and the information that are provided by the Departments to the farmers in the country create a positive impact of Rs. 1 lakh crore to 2.1 lakh crore in the GDP. The information that we provide to the fishermen for giving them safe area and giving them the areas which are very very productive for catching the fishes that information itself creates an impact of Rs. 34,000 crore. ...(*Interruptions*) That is a positive impact in the GDP.

As I said in my answer to the earlier Member's question that the services that we provided at the District level, we are now going further to provide them at the Block level to ensure that the farmers are helped on the basis of this information. This information is also crop specific. ...(*Interruptions*) We are now going to give them the information at the Block level also. As there is always a scope for improvement from better to best – we have already one of the best services available in the whole world – we will certainly strive to continue upon what we already have. ...(*Interruptions*)

SHRI KONDA VISHWESHWAR REDDY: Madam Speaker, my question is relating to the benefits to the farmers and to the fishermen.

The Indian National Centre for Ocean Information Services is in my Constituency. We had visited there. The data is reaching the fishing ports but it is not being disseminated properly. What is the Government doing to take this valuable data? The Government is pushing it but it is not being disseminated.

Secondly, the data is not ground proof or water proof that is because our Government prohibits exchange of this data with other countries. Now, in Bay of Bengal, you have the satellites and ocean BIOS. If we exchange this data from Thailand, Malaysia and other countries in the Bay of Bengal then, only this collated data will be valuable. I would like to know as to what steps the Ministry is taking to exchange ocean data from neighbouring countries of Bay of Bengal and Arabian Ocean. This is absolutely important.

The next point is relating to the farmers. It brings a huge benefit to them. If the automatic weather stations are ground based then we have the satellite imagery there. This satellite imagery has to be translated. Now, the translation is effective only if the data is ground proof. So, the question is this. How are these automatic weather stations being used to ground proof the satellite data?

DR. HARSH VARDHAN: Madam, I wish to inform the hon. Member that we are already collaborating with all the possible sources of international data. That is number one.

As regards our information about what is happening in the ocean, we are at the moment providing information to, at least, two dozen countries which are near the ocean or on the ocean banks.

As far as the data relating to the fishermen is concerned, we are using all possible tool of the technological advancement to provide information to lakhs of farmers as well as the fishermen through SMS, through APPs and through various screenings which are at various places. All this is given to the fishermen and the farmers very easily. It is also very easy to access for those who are interest in it.

And, as I said earlier, this has been evaluated by the Institute of Applied Economic Research also. ...(*Interruptions*) We will always welcome any other suggestion for further improvement and strengthening our communication system to the farmers and the fishermen....(*Interruptions*)

SHRI NAGENDRA KUMAR PRADHAN: In the State of Odisha, there are six Weather Stations which have been allowed by the Government of India. One is at Paradip, second is at Sambalpur, third is Balasore, fourth is, Bhubaneswar, fifth is Berhampur ...(*Interruptions*) But till today, even though the financial assistance has been made five years ago, in most of the buildings in my constituency, Sambalpur, the construction has already been completed but the erection of machinery is not there....(*Interruptions*) So, I want to know this from the hon. Minister, through you, Madam. What is the position of those stations which are sanctioned by the Government of India for installation and operation?...(*Interruptions*)

DR. HARSH VARDHAN: Madam, I wish to inform the Member that not only for the State of Odisha but for the whole country, whatever is there in the Plans, there is an active process of implementation of those Plans....(*Interruptions*) The hon. Member has mentioned about the building being there and it is still waiting for the equipment. I can assure him that we are moving all these things in a fast track manner and very soon the hon. Member will see that in the coming years all those Plans which have been formulated in the past, will be implemented....(*Interruptions*) We have a provision for further drafting new Plans to make us still better than what we are.

As far as Odisha matter is concerned, I have been informed by the Department that at Paradip and Gokulpur, they are already in the process of commissioning and in 2-3 months, they will be commissioned. ...(*Interruptions*)

(Q. 324)

श्री राहुल शेवाले : अध्यक्ष महोदया, हमारी दूरसंचार कंपनियां अपने नेटवर्क को बढ़ाना और अपग्रेड करना चाहती हैं।...(व्यवधान) उसके लिए वे उन्नत दूरसंचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रही हैं...(व्यवधान) उनकी सेवा में कुछ विकास भी हुआ है...(व्यवधान) पर, आज हमारी दूरसंचार कम्पनियां सर्विस के मामले में प्राइवेट कम्पनियों से पिछड़ी हुयी दिखती हैं।...(व्यवधान) हमारे फिक्स्ड लाइन पर टेलीफोन, ब्रॉडबैंड कनैक्शन कई बार बीच में जवाब दे जाते हैं।...(व्यवधान) खास तौर से बरसात में छुट्टी का दिन हो तो ठीक होने के लिए दूसरे दिन का इंतजार करना पड़ता है।...(व्यवधान) आज टेलीफोन और इंटरनेट हमारी आवश्यकता बन चुके हैं।...(व्यवधान) मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हम डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहे हैं तो क्या दूर संचार कम्पनियां अपने ग्राहकों को नयी टेक्नोलॉजी के उपयोग द्वारा अबाध टेलीफोन और इंटरनेट की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम उठा रही हैं? ...(व्यवधान) इस संबंध में शिकायत के निपटान और सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए 24/7 सेवा की व्यवस्था के लिए आप क्या विचार कर रहे हैं? ...(व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य ने कई सवाल पूछे हैं।...(व्यवधान) आपने सही कहा है कि इंटरनेट को सुधारने के लिए 'डिजिटल इंडिया' का कार्यक्रम है।...(व्यवधान) जिसके तहत हम देश के ढाई लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ रहे हैं।...(व्यवधान) उसका बहुत बड़ा काम हुआ है।...(व्यवधान) हम उसको 'भारत नेट' के नाम से कर रहे हैं।...(व्यवधान) आपने सरकारी कंपनियों और प्राइवेट कंपनियों के बारे में बात कही है।...(व्यवधान) सरकारी कंपनियों को सुधारने की दिशा में हम प्रयासरत हैं।...(व्यवधान) पिछले एक साल में बी.एस.एन.एल. ने 47 लाख नये कस्टमर्स जोड़े हैं।...(व्यवधान) आज वह फ्री रोमिंग दे रहे हैं।...(व्यवधान) रात के नौ बजे से सुबह सात बजे तक लैंड लाइन फ्री है। ...(व्यवधान) आप जिससे चाहें उससे बात कर सकते हैं।...(व्यवधान) उसे और सुधारने की गुंजाइश है।...(व्यवधान) जहां तक नयी टेक्नोलॉजी की बात है...(व्यवधान) आपको मालूम है कि 'फोर-जी' की सेवा शुरू हो गयी है।...(व्यवधान) उसमें और अधिक सुधार हो यह हमारी कोशिश है।...(व्यवधान) मैं यह नहीं कहूंगा कि सब कुछ ठीक है।...(व्यवधान) लेकिन हम सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री राहुल शेवाले : अध्यक्ष महोदया, माननीय मंत्री जी ने यह कहा है कि हमारी सरकारी कंपनियां नये प्रावधान कर रही हैं। ...(व्यवधान) वे ज्यादा नये ब्रॉडबैंड कनैक्शंस और सुविधायें दे रही हैं।...(व्यवधान) मेरी जानकारी में दोनों सरकारी कंपनियां चाहे वे बी.एस.एन.एल. हो या एम.टी.एन.एल. हो...(व्यवधान) दोनों का फाइनैंशियल स्टेट्स देखा जाये तो दोनों कंपनियां लॉस में हैं। ...(व्यवधान) अगर प्राइवेट कम्पनियों के फाइनैंशियल स्टेट्स देखे जाएं तो सब प्रॉफिट में हैं। क्या कारण है कि हमारे दोनों पीएसयूज़ बीएसएनएल और एमटीएनएल लॉस में हैं? ...(व्यवधान) उनके फाइनैंशियल स्टेट्स बताइए। उन्हें प्रॉफिट में लाने के बारे में सरकार क्या विचार कर रही है?...(व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद : आप इस बात को नोट कीजिए कि बीएसएनएल वर्ष 2004 तक 10 हजार करोड़ रुपये के प्रॉफिट में था। जब अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार गई, उस समय बीएसएनएल 10 हजार करोड़ रुपये के प्रॉफिट में था। ...(व्यवधान) दस साल के बाद 8 हजार करोड़ रुपये के लॉस में है। वह लॉस में क्यों आया, यह इनसे पूछिए। हम सुधार रहे हैं। ...(व्यवधान) दूसरी बात, आपने एमटीएनएल के बारे में कही। एमटीएनएल भी प्रॉफिट में था। 2008 के बाद से एनटीएनएल लॉस में चला गया। ...(व्यवधान) हम उसे सुधार रहे हैं। वह लॉस में क्यों गया, हमसे मत पूछिए, इनसे पूछिए जिन्होंने दस साल काम किया। ...(व्यवधान) लेकिन हां, हम एक बात कहना चाहते हैं कि यहां कई सांसद बैठे हुए हैं जो जानते हैं कि एमटीएनएल और बीएसएनएल में जितना पूंजी निवेश होना चाहिए, उतना नहीं हुआ।...(व्यवधान) मैं यह काम कर रहा हूं कि उसमें पूंजी निवेश हो, प्रोफैशनलिज़्म आए, अधिक से अधिक ग्राहक आएं।...(व्यवधान) अभी बीएसएनएल एकमात्र ऐसी संस्था है जो फ्री रोमिंग दे रही है, और कोई नहीं दे रहा है। फ्री रोमिंग का मतलब क्या है?...(व्यवधान) फ्री रोमिंग का मतलब यह है कि कोई भी व्यक्ति जो भोपाल, बलिया, गोरखपुर, पटना से दक्षिण भारत में जाता है, अपने परिजनों से जितनी चाहे फ्री इनकमिंग बात कर सकता है, कोई रोमिंग चार्ज इनकमिंग कॉल पर नहीं लगेगा। ...(व्यवधान) लैंडलाइन का मतलब क्या है? रात के नौ बजे से सुबह के सात बजे तक हिन्दुस्तान में किसी भी मोबाइल, लैंडलाइन से जितनी चाहें बात कर सकते हैं।...(व्यवधान) यह हमने एक साल में करके दिखाया है। समय दीजिए, और काम करना बाकी है। हम सुधार में आगे बढ़ रहे हैं।...(व्यवधान)

SHRI KALIKESH N. SINGH DEO: Madam, the dream of the hon. Prime Minister for Digital India continues to be threatened by the poor quality of wireless broadband which exists in India today. ...(*Interruptions*) We have the cheapest broadband, but we have also one of the worst quality broadbands. ...(*Interruptions*) This is the discussion that we had with the hon. Minister last evening. ...(*Interruptions*) The reason is that India has auctioned some of the least amount of spectrum. â€¦ (*Interruptions*) As it stands today, America has auctioned 425 MHz and China has auctioned 300 MHz while India has auctioned a mere 125 MHz. ...(*Interruptions*) The solution to that is that we have new technology which we can bring in which can increase the throughput. ...(*Interruptions*) The carrier aggregation technology can increase the throughput in each cell from 100 mbps to 400 mbps. ...(*Interruptions*) Will the hon. Minister ensure that the new technology, such as carrier aggregation technology, comes into being and the quality of service actually improves? ...(*Interruptions*)

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Madam, the hon. Member has asked a technology-related question. Spectrum availability is fixed in the country. You know it very well. ...(*Interruptions*) Whatever spectrum was available to us, we have done the auction. Hon. Member would know that with defence, we have got the defence band done. ...(*Interruptions*) Also, optimization harmonisation is going on. Very soon, we are going to come with spectrum sharing, spectrum trading guidelines. ...(*Interruptions*) That also, we are doing, but what is important is that we will do our work, but the operators also have to reinforce their systems. They have to do optimum utilization. All the processes will keep on going. ...(*Interruptions*)

Yes, Digital India is a dream, but we are committed to implement that. I would like to tell the hon. Member that when Shri Atal Bihari Vajpayee started the National Highway Programme, there was lot of opposition, but we succeeded. Similarly, we will succeed in Digital India also. I need the cooperation of all of you. ...(*Interruptions*)

श्री जगदम्बिका पाल: अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न पर पूरक प्रश्न पूछने दिया। ...(व्यवधान) माननीय मंत्री जी ने बीएसएनएल और एमटीएनएल में जिस तरह सुधार के लिए कदम उठाए हैं, उन्होंने इस बात को स्वीकार किया, निश्चित तौर से सुधार है कि 47 लाख और उपभोक्ता बीएसएनएल में जुड़े हैं।...(व्यवधान) ढाई लाख गांवों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाने की योजना है। जिस तरह रोमिंग को फ्री किया गया है, लैंडलाइन को भी रात से सुबह तक फ्री किया गया है। ...(व्यवधान) मैं इसके लिए अपनी सरकार और माननीय मंत्री जी को बधाई दूंगा। ...(व्यवधान) लेकिन मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि उन्होंने जिस तरह ब्रॉडबैंड और नेशनल ऑप्टीकल फाइबर की बात की है। अभी ब्रॉड बैंड की स्पीड कम है, ...(व्यवधान) आप गांवों में ढ़ाई लाख ब्रॉड बैंड लगाना चाहते हैं, ...(व्यवधान) अभी उत्तर प्रदेश के प्रमुख जनपद जैसे सिद्धार्थ नगर और बस्ती में शिकायत है कि ब्रॉड बैंड की स्पीड कम है, ...(व्यवधान) क्या विभाग की प्रस्तावित ब्रॉड बैंड की स्पीड को बढ़ाने की कोई योजना है ...(व्यवधान) या नेशनल ऑप्टीकल फाइबर उत्तर प्रदेश के एक-एक विकास खंडों में लग रहे हैं, ...(व्यवधान) अगर सभी विभागों को ब्रॉड बैंड से जोड़ने की विभाग की योजना है, ...(व्यवधान) क्या एक-एक विकास खंड को ऑप्टीकल फाइबर से साल में जोड़ने की योजना है, ...(व्यवधान) यह कितने वर्षों में पूरी हो पाएगी? ...(व्यवधान) क्या माननीय मंत्री जी डिस्ट्रिक्ट के सभी खंडों को सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, बस्ती, पूर्वांचल या श्रावस्ती जनपदों के सभी विकास खंडों को नेशनल ऑप्टीकल फाइबर से जोड़ने की कोई निश्चित योजना है, ...(व्यवधान) समयबद्ध योजना है, ...(व्यवधान) अगर है यह तो कब तक पूरी हो जाएगी?

श्री रवि शंकर प्रसाद : महोदया, नेशनल ऑप्टीकल फाइबर प्रोग्राम को हम "भारत नेट" कहते हैं। ...(व्यवधान) अगले तीन साल में देश के ढ़ाई लाख ग्राम पंचायतों को हम इससे जोड़ने वाले हैं। ...(व्यवधान) उसमें सिद्धार्थनगर और संत कबीर नगर शामिल है। ...(व्यवधान) इस देश में लगभग 6,00000 गांव हैं, ...(व्यवधान) 2,50,000 पंचायत हैं और 650 जिले हैं। ...(व्यवधान) भारत नेट में डिस्ट्रिक्ट से ब्लॉक और ब्लॉक से ग्राम पंचायत में ऑप्टीकल फाइबर ले कर रहे हैं, ...(व्यवधान) फिर वहां से उसे आउटसोर्स करेंगे, हम दूसरी टेक्नोलॉजी का भी प्रयोग करेंगे। ...(व्यवधान) ऑप्टीकल फाइबर नेटवर्क का क्या उद्देश्य है? लोगों को ई-शिक्षा मिले, ई-स्वास्थ्य मिले, रोजगार मिले तो हम काफी काम कर सकते हैं। ...(व्यवधान) हम किसी भी ग्राम पंचायत को छोड़ना नहीं चाहते हैं, केरल में हमने सभी ग्राम पंचायतों में कर लिया है, ...(व्यवधान) कर्नाटक में जल्द ही पूरा होने वाला है। ...(व्यवधान) आपके सिद्धार्थनगर की स्थिति के बारे में मैं स्वयं देखूंगा और इसे जल्दी किया जाएगा।

SHRIMATI KAVITHA KALVAKUNTLA : Thank you, Madam. ...(*Interruptions*) Through you, I would like to ask this from the hon. Minister. ...(*Interruptions*) We are happy that you are trying to improve the health of BSNL, but along with it there is an Obligation Fund that is setup for rural infrastructure development. ...(*Interruptions*) We understand that this Fund runs into thousands of crore and this Fund will be given to the private companies and auctioned. ...(*Interruptions*) Instead of that, can we give this work to BSNL so that the health of BSNL will improve? ...(*Interruptions*) I am saying this because BSNL is a Government organization and it will work with more responsibility. ...(*Interruptions*) इससे रूरल इफ्रास्ट्रक्चर भी अच्छा हो सकता है। So, instead of tendering it and giving it to the private companies, can we give this Rural Obligation Fund to the BSNL? ...(*Interruptions*) Thank you, Madam. ...(*Interruptions*)

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD : Madam, she has asked a very important Question and I would like to thank her for that. ...(*Interruptions*) I would like to tell her very gently that as far as the role of BSNL is concerned, it is there. ...(*Interruptions*) I am trying to improve the working of BSNL in contrast to what had happened to them in the last 10 years. ...(*Interruptions*) In fact, I am waiting for a debate in the Parliament on one day as to what was done to MTNL and BSNL, and we need to respond to that. ...(*Interruptions*)

As far as your specific query is concerned, I want to tell you that I have called a meeting of all the IT Ministers, and the IT Minister of Telangana also had come. ...(*Interruptions*) We had discussed the matter in detail, and many State Governments said that we need to involve the States also in a big way through State SPV. ...(*Interruptions*) About 14 States have come forward. ...(*Interruptions*) Andhra Pradesh and Telangana are having a different model where they want to involve much beyond the Gram Panchayat, and I am quite happy about that. ...(*Interruptions*) Therefore, in SPV model also BSNL will be there, but what is important is all of us need to work together -- the Government of India, the State Governments, the State of Telangana, the State of Andhra Pradesh -- to make this great BharatNet a success, which we all are committed to do. ...(*Interruptions*)

SHRI A. ARUNMOZHITHEVAN: Madam, according to reports, about 700 high speed telephone lines had been misused by the former Minister of Communications causing a loss of more than several crore to the already loss suffering BSNL. I would like to know from the hon. Minister about the action taken by the Government to prevent such misuse of high speed telephone lines. ...(*Interruptions*)

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Madam, as regards the question, I would like to tell the hon. Member that in this case the CBI is investigating the matter and proper proceedings are being taken against all persons who are involved. I can tell him on behalf of the Government that the CBI should be allowed to undertake free and fair investigation and we will render all the cooperation.

SHRI ARVIND SAWANT : Madam, let me first heartily congratulate the hon. Minister for taking initiative to revive the ITIs. The ITIs have got the big plants over here. In Bengaluru, maybe 50 to 60 acres of land is available and the infrastructure is available. As rightly pointed out by my colleague Shrimati Kavitha, I would like to tell the hon. Minister that there are two points in it. While doing the revival, we have to ensure the speed of the broadband. He can very well observe that every Saturday and Sunday normally the broadband is out. He can very well check it for the entire year. He will find that the server is out on Saturday and Sunday. Therefore, I would like to ask, through the hon. Speaker, the hon. Minister whether he is going to investigate the matter as to what is happening on Saturday and Sunday. I would like to tell the hon. Minister that particularly for the revival of the ITIs not to create it as a trader company. As we talk about the 'Make in India', let us try to do 'Make in India' through ITIs. I would request him to go for the manufacturing of the mobile equipment, mobile instruments and mobile chip cards. That also can be done through the ITIs. Are we going to do it? Are we thinking in that way? Kindly enlighten usâ€¦ (*Interruptions*)

श्री रवि शंकर प्रसाद : आदरणीय अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य टेलीकॉम के क्षेत्र में बहुत ही अनुभवी आदमी हैं। ...(व्यवधान) उनको इसका बहुत ही व्यापक अनुभव है। ...(व्यवधान) वे मुझसे मिलते भी रहते हैं और मैं उनके अनुभव का बहुत सम्मान करता हूं। ...(व्यवधान) इस क्वश्चेन का सही में यही सार था कि आईटीआई में क्या करना है? ...(व्यवधान) बाकी लोगों ने बीएसएनएल के बारे में पूछा, तो मैंने उसका उत्तर दिया। ...(व्यवधान) आईटीआई की स्थिति अभी अच्छी नहीं है। ...(व्यवधान) मैं इस बात में जाना नहीं चाहता कि पिछले दस सालों में आईटीआई के लिए क्या किया गया? ...(व्यवधान) उस बारे में हम कभी चर्चा करेंगे और आपको बतायेंगे। ...(व्यवधान)

अरविंद जी, आपके लिए जानना जरूरी है कि एक आईटीआई रायबरेली में भी है। ...(व्यवधान)

रायबरेली के आईटीआई की क्या हालत है, क्या किया गया, यह आप मुझसे न पूछकर उनसे पूछिये। ...(व्यवधान) एक आईटीआई मनकापुर में है। ...(व्यवधान) मनकापुर भी रायबरेली के बगल में है। उसकी भी पिछले दस सालों में क्या चिंता की गयी, यह आप मुझसे न पूछकर उनसे पूछिये। ...(व्यवधान) यह जो दस साल की विरासत है, मुझे अच्छा लगता कि आज ये आवाज करने की बजाय इस पर बहस करते। ...(व्यवधान) मेरे उत्तर को सुनते, मुझसे और पूछते। ...(व्यवधान) मैं यह भी कहूंगा कि माननीय सोनिया जी भी मुझसे सवाल पूछती, तो मैं कहता कि रायबरेली में क्या हो रहा है, यह आप बताइये? ...(व्यवधान) हम मिलकर काम करना चाहते हैं। ...(व्यवधान) लेकिन जहां तक सवाल है ...(व्यवधान) मैं सुधार रहा हूं, कैबिनेट ने एक पैकेज दिया है। ...(व्यवधान) मैंने आईटीआई को कहा है कि कृपया आप भारत में नये प्रोडक्ट्स लायें। ...(व्यवधान) वे एल-वन से परेशान होते हैं। ...(व्यवधान) मैंने स्मार्ट कार्ड के लिए कहा है। ...(व्यवधान) मैंने यह भी कहा है कि प्राइवेट से टाईअप करो। ...(व्यवधान) मैं आपसे कह सकता हूं कि आईटीआई को सुधारने के लिए मेरी ओर से पूरा प्रयास जारी है। ...(व्यवधान) उनको भी नयी टेक्नोलॉजी में काम करना पड़ेगा।

...(व्यवधान)

(Q.325)

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी : माननीय अध्यक्ष जी, मैंने माननीय मंत्री जी का जवाब पढ़ा। मुझे लगा कि माननीय मंत्री जिस पूकार से शिक्षा के क्षेत्र में नए परिवर्तन लाना चाहती हैं, नई योजनाएं बना रही हैं और इसके लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का विषय भी लिया है। ...(व्यवधान) आज हर परिवार को लगता है कि हमारा बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़े, अच्छी शिक्षा मिले इसलिए हर अच्छे स्कूल की सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन प्रवेश नहीं मिलता। उनको कहां प्रवेश मिलता है, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय में मिलता है। सिम्बाओसिस, फर्ग्युसन या के.जी. कॉलेज के ब्रैंड से हर मां-बाप को लगता है कि मेरा बच्चा इस युनिवर्सिटी में पढ़े। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या केंद्रीय और नवोदय विद्यालय को ब्रैंड के रूप में पूस्तावित करने का विचार है? ...(व्यवधान)

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Madam Speaker, before I begin to answer that question, let me as a woman say that I am extremely proud of the way that you conduct this House, the determination and the perseverance with which you uphold the dignity of our House; and I am sure that you are an inspiration to millions of women across the country.

Insofar as the answer to the hon. Member's question, I think when he compares Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas to universities and colleges a distinction has to be made that the Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas are primarily schools which differ from the universities and colleges that he refers to in his question.

Madam Speaker, the very fact that we have people across the country urging Members of Parliament time and again to ensure that their children are admitted into Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas, the fact that children from Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas outshine in terms of results many private institutions which have more costly education in it, is a testimony to the fact that Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas are established and celebrated brands in the country.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी : माननीय अध्यक्ष जी, मेरा कहना है कि मानव संसाधन मंत्रालय में पैसे की कमी नहीं है। आजादी के 50 साल बाद 1950-60, 1960-70, 1970-80, 1980-90, 1990-2000 और 2000 से 2015 तक कितने केंद्रीय विद्यालय खोले गए? ...(व्यवधान) इसकी संख्या का अभ्यास करने से पता चलता है जिस संख्या में जनसंख्या बढ़ी है, उस संख्या में इन विद्यालयों की संख्या नहीं बढ़ी है। मैं संसद के सभी सांसदों के माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं, उन्होंने जवाब में कहा कि अगर राज्य सरकारें जमीन उपलब्ध करा दें, अलग-अलग सुविधा उपलब्ध करा दें तो हम सहयोग करेंगे। मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि अब हम पर जिम्मेदारी है, हम हर जगह पर आपको जगह ही नहीं बल्कि सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे क्योंकि हमें लोगों की अपेक्षाएं पूर्ण करनी हैं। ...(व्यवधान)

आपने जवाब में कहा कि छः जिलों में ग्रामीण जनसंख्या नहीं है इसलिए वहां नवोदय विद्यालय खोलने की आवश्यकता नहीं है। महाराष्ट्र में अहमदनगर जिला सबसे बड़ा है, जनसंख्या में भी बड़ा है और क्षेत्रफल में भी बड़ा है। मेरा पूश्न है कि क्या महाराष्ट्र में छः जिलों में विद्यालय खोलेंगे? क्या अहमदनगर में विद्यालय खोलेंगे?...(व्यवधान)

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी : माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय सांसद महोदय का आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि वह चाहते हैं कि पूरे देश में केंद्रीय और नवोदय विद्यालय जनसंख्या के आधार पर खोले जाएं, लेकिन नियमानुसार मेरी भी कुछ मर्यादाएं हैं। ...(व्यवधान) मैं माननीय सांसद द्वारा कही गई बात के बारे में बताना चाहती हूं, जो भ्रम माननीय सांसद सभा के सामने पूस्तुत कर रहे हैं कि एचआरडी मिनिस्ट्री में पैसे की कमी नहीं है, काश मेरे पास भी कुबेर का खजाना होता, लेकिन यह सत्य नहीं है।

मैं कहना चाहती हूं कि केंद्रीय विद्यालय खोलने की संभावनाएं नियमानुसार तभी पूस्तुत होती हैं जब पूदेश की सरकार कोई पूस्ताव भेजे अथवा भारत सरकार का कोई मंत्रालय, कोई डिपार्टमेंट या उनसे संबंधित कर्मचारी संगठन के माध्यम से कोई पूस्ताव आए। ...(व्यवधान) अगर पूस्ताव इन मानकों के आधार पर नहीं आते तो चाहे हम सब सांसद कितनी भी कोशिश करें, उन नियमों को भंग नहीं कर सकते हैं। ...(व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहता हूं कि नवोदय विद्यालय वहीं पूस्तावित हो सकता है जहां मुख्यतः रूरल आबादी हो, क्योंकि नवोदय विद्यालय का नियम है कि 75 परसेंट सीटें ग्रामीण बच्चों के लिए आरक्षित हैं। जहां पर आरक्षण का नियम पूर्ण नहीं होता वहां चाहे क्षेत्रफल कितना भी बड़ा हो, जनसंख्या चाहे कितनी भी हो, नियमानुसार हम नवोदय विद्यालय नहीं खोल सकते।

श्री सुनील कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उन्होंने कहा कि हम सब सांसद चाह लें फिर भी नियम भंग नहीं होंगे।...(व्यवधान) मैं यह जानना चाहूंगा कि शिक्षा के पूचार और पूसार की दृष्टि से इन नियमों को किसके लिए बनाया जाता है और ये नियम कौन बनाते हैं?...(व्यवधान) इन नियमों के चलते आज देश की आजादी को 66-68 साल हो गये हैं और जिनके ऊपर सभी को शिक्षा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी थी, उनका आचरण आज हम सदन में देख रहे हैं कि ये किस रूप में सदन को चला रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि जब से पिछली सरकार ने खासकर यू.पी.ए.सरकार ने जिस तरह से निजी क्षेत्रों को बढ़ावा दिया, उसमें देश में प्राथमिक शिक्षा महंगी हो गई।...(व्यवधान)

ऐसे समय में देश की गरीब जनता जिसने हम सभी को चुनकर भेजा है और हमने उनसे वह वादा भी किया है, उसकी जिम्मेदारी हमारे ऊपर है लेकिन आज देश के 178 जिले ऐसे हैं जहां कोई केन्द्रीय विद्यालय नहीं हैं। ...(व्यवधान) ये बातें हम भी जानते हैं कि केन्द्रीय विद्यालय सेना और राष्ट्रीय स्तर की नौकरियों में काम करने वाले लोगों के लिए होते हैं। लेकिन देश का कोई जिला इससे वंचित नहीं है। खासकर मेरा चतरा जिला भारत के अत्यंत निर्धनतम जिलों में आता है और उग्रवाद से पूभावित जिला है। ...(व्यवधान) वहां एन.टी.पी.सी. और सी.सी.एल. तथा कोयले की बड़ी-बड़ी केन्द्रीय उत्पादन इकाइयां हैं। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि आप जिस तरह की सहायता हम लोगों से चाहती हैं, हम लोग देंगे। लेकिन आप ऐसे क्षेत्रों में केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना करने का पूयास करें। साथ ही साथ आपने जवाब में जो सीधे सीधे यह कहा कि इनकी संख्या बढ़ाने का कोई पूस्ताव नहीं है। ...(व्यवधान) दूसरी ओर आपके जवाब में यह भी लिखा हुआ है कि केन्द्रीय विद्यालय खोलने का यह कंटीनुअस प्रोसैस है तो यह विरोधाभास है। उसी तरह से लातेहार में हमारी सीट को बढ़ाने की कृपा करें।...(व्यवधान)

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी : माननीय अध्यक्ष जी, मेरे जवाब में कोई विरोधाभास नहीं है। ...(व्यवधान) जो जो पूस्ताव नियमानुसार आए हैं, उन पूस्तावों के आधार पर स्कूलों को खोलना एक कंटिनुअस प्रोसैस है, यह सत्य है। ...(व्यवधान) जो जो पूस्ताव नियम के बाहर आए हैं, उसके आधार पर हम लोग एक्सपेंशन नहीं कर सकते। ...(व्यवधान) इसलिए ऐसा कोई भी पूस्ताव मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। यह भी सत्य है। इसलिए जवाब में विरोधाभास कोई नहीं है, पहले तो मैं यह बात स्पष्ट कर देना चाहती हूं।

दूसरे, माननीय सांसद ने अपने क्षेत्र से संबंधित एन.टी.पी.सी. और कोयले से संबंधित कुछ पी.एस.यूज की चर्चा की।...(व्यवधान) अगर वो एन.टी.पी.सी. अथवा कोयले की किसी भी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा अपने क्षेत्र में नियमानुसार स्पांसर करवाना चाहें और अगर यह पूस्ताव एचआरडी मिनिस्ट्री में आता है तो सहानुभूति पूर्वक उन पूस्तावों पर विचार अवश्य होगा।

श्री अजय मिश्रा टेनी: माननीय अध्यक्ष जी, अभी मुझे कई केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों का निरीक्षण करने का अवसर मिला। वास्तव में केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय काम किया है। ...(व्यवधान) मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि कई ऐसे केन्द्रीय विद्यालय हैं जो किराये की बिल्डिंग में चल रहे हैं। उनके भवन निर्माण के लिए भूमि की आवश्यकता है। ...(व्यवधान) कई विद्यालय ऐसे हैं जैसे उदाहरण के रूप में मैं कह सकता हूं कि लखीमपुर जनपद का विद्यालय है जिसमें सशस्त्र सीमा बल द्वारा एवं भूमि उपलब्ध कराने के

लिए साढ़े तीन एकड़ जमीन का प्रस्ताव किया गया है। ऐसे बहुत सारे विद्यालय हैं जिनके लिए सशस्त्र सीमा बल, बीएसएफ आदि संगठन भूमि देना चाहते हैं।...(व्यवधान)

मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रश्न है कि क्या सरकार ऐसी भूमि को लेकर विद्यालय भवन का निर्माण अतिशीघ्र शुरू कराएगी?

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी : महोदया, माननीय सदस्य ने एक पर्टीकुलर स्कूल की तरफ ध्यान आकर्Âिात किया है। मैं बताना चाहती हूं कि मानकों और नियमों के अनुसार मेट्रो सिटीज में जमीन की दरकार 4 एकड़ है, हिली एरियाज में 8 एकड़ जमीन की दरकार है और ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन की दरकार 10 एकड़ है।...(व्यवधान) इन मानकों के आधार पर जब जमीन प्रस्तावित होती है, तभी उस जमीन पर भवन निर्माण किया जाता है। अगर किसी विशेÂा परिस्थिति में और उस परिस्थिति को भी विस्तार से लिख कर मंत्रालय तक पहुंचाना पड़ता है, स्पोंसरिंग ओर्गेनाइजेशन अथवा सरकार अगर हम तक पहुंचाती है तो उस पर निर्णय जरूर होता है।...(व्यवधान) रेंटिड एकोमोडेशन में केंद्रीय विद्यालय तब चलते हैं, जब इन चुनौतियों को पार नहीं किया जाता लेकिन यह जिम्मेदारी स्पोंसरिंग एजेंसी की होती है कि जब तक स्थायी भवन का निर्माण नहीं होता, तब तक रेंटिड एकोमोडेशन को भी स्पोंरर्ड करे ताकि वहां विद्यालय चल सके।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Yes, the Question Hour is over now. Hon. Members please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Hon. Members, if you want Adjournment Motion, please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

12.01 hrs

At this stage, Shri K.C. Venugopal, Shri Anto Antony and some other hon. Members went back to their seats.

HON. SPEAKER: Hon. Members, please sit down; you also co-operate. I know, you want to raise your issue.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I will allow you afterwards. First, let us take up Adjournment Motion and then I will allow you in 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Hon. Members, please co-operate. I will allow you afterwards but not now.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I have to inform the House that I have received seven notices of adjournment from Shri Mallikarjun Kharge and others regarding action taken by the Government on the reported involvement and admission of a Union Minister in assisting a fugitive.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now, you have to allow the Speaker also to say something.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Mallikarjun Kharge has given notice at first point of time. I have accordingly allowed Shri Mallikarjun Kharge to move the motion in the following form.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: You please listen to me. The Speaker has that much right.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Many notices were there. The notice says, 'action taken by the Government on the reported involvement and admission of a Union Minister in assisting a fugitive'.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: So, Shri Mallikarjun Kharge may now ask for leave of the House.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam Speaker, I seek the leave of the House for moving the Adjournment Motion regarding:

"action taken by the Government on the Modigate scandal ...(*Interruptions*)"

HON. SPEAKER: No, Shri Mallikarjun Kharge.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: This is my notice. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: That word is not there. 'Modigate' is not the word.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: My notice says, 'action taken by the Government on the Modigate scandal with respect to the resignation of the External Minister in assisting a fugitive ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: That word you have used. 'Modigate' is not the word.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: It further says, 'and her admission of doing the same contrary to the law and procedure' ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am sorry. I will not allow this. This word will not go.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: It adds, 'and the stand taken by the Government with respect to the Modigte. Please also suspend the Question Hour'. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: 'Modigate' is not the word. Whatever word you use, I am sorry Shri Kharge.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: This is the notice I have given. I stand by this notice. ...(*Interruptions*) If you are admitting, I will speak; otherwise, I will not speak. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, Shrimati Sushma Swaraj.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please listen to me also.

माननीय अध्यक्ष : सुषमा जी, आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The Speaker can decide whether it should be the full text.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : स्थगन प्रस्ताव कितना और किस तरीके से लेना है, इतना अधिकार स्पीकर को है। आपका मतिदार्थ लाना मतलब है। आपने जो लिखा है उसका मतिदार्थ लाना यह मतलब है। 'मोदी गेट' शब्द कहीं भी नहीं है। यह शब्द आपने निर्माण किया है। ऐसा कोई शब्द यहां नहीं आ सकता। I am sorry. यह शब्द यहां नहीं आ सकता है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा कोई शब्द यहाँ नहीं आ सकता। He is not a Member of the House. यहाँ पर यह शब्द नहीं आ सकता है। He is also not a Member of the House.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : स्पीकर को यह अधिकार है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसका मतलब है कि आप न एडजर्नमेंट मोशन में इंट्रेस्टेड हैं, न ही चर्चा में।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am sorry. Yes, Sushma ji.

...(*Interruptions*)

12.06 hrs

At this stage, Shri K.C. Venugopal and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, मैं श्री खड़गे जी से यह कहना चाहती हूँ कि मैं चर्चा के लिए कोई चैलेन्ज नहीं कर रही हूँ, ..(व्यवधान) बल्कि सदन का गतिरोध समाप्त करने के लिए इनकी बात को स्वीकार करके आपसे निवेदन कर रही हूँ कि आप इनका एडजर्नमेंट मोशन स्वीकार कर लें।...(व्यवधान) मैं इनसे कहना चाहती हूँ कि स्पीकर साहिबा ने भाषा की शुद्धि की है, तो आप चर्चा करते समय मोदी गेट, ललित गेट, जो बोलना है, बोल लीजिए, लेकिन आप चर्चा करवाइए। ...(व्यवधान) चर्चा से मत भागिए। आपने कल कहा था, आप स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा चाहते हैं, आप 193 पर चर्चा नहीं चाहते। ...(व्यवधान) आपने कल कहा था कि आप आईपीएल के लिए नहीं, बल्कि अपनी भाषा पर चर्चा चाहते हैं। ...(व्यवधान) इसलिए मैं आज स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तैयार हूँ। आपसे भी निवेदन कर रही हूँ। ...(व्यवधान) चर्चा के दौरान मोदी गेट, ललित गेट, जो बोलना है, बोलिए। ...(व्यवधान) स्पीकर की भाषा-शुद्धि को स्वीकार करके चर्चा कराइए। ...(व्यवधान) आप बहाने मत बनाइए। चर्चा से मत भागिए। आप स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराइए। ...(व्यवधान) मैं रात भर बैठने को तैयार हूँ। ...(व्यवधान) जितने सांसद उस पर बोलना चाहें, बोलें, लेकिन स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराइए। आप बहाने बना-बनाकर मत भागिए। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12.30 hours.

12.07 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past Twelve of the Clock.

12.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past Twelve of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair*)

RE: MOTION FOR ADJOURNMENT

माननीय अध्यक्ष : सब लोग बहुत ही होशियार हो रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

Shri Mallikarjun Kharge, you have given a notice, with corrections, which says: 'Action taken by the Government on the reported involvement and admission of a Union Minister and related acts and actions in assisting a fugitive and the stand taken by the Government in this regard'.

I do not know whether he is a fugitive or not.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, it is alleged because the Government has not declared him fugitive...(*Interruptions*). From our side, we do not have any problem. Earlier Government had not declared him fugitive. If they have forgotten it, I have no problem...(*Interruptions*).

माननीय अध्यक्ष : मैं अपने ज्ञान के लिए पूछ रही हूं कि पार्लियामेंट की दृष्टि से यह शब्द हम यहां दे सकते हैं या नहीं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं अपने लिए पूछ रही हूं। आप सब ज्ञानी हैं, मैं ही एक अज्ञानी यहां बैठी हूं।

THE MINISTER OF FINANCE, MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI ARUN JAITLEY): Madam, since it relates to an investigative agency under the Ministry of Finance, I may clarify. It is last week that a non-bailable warrant has been issued against him. Prior to that, there were investigations pending by the Enforcement Directorate...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I want to understand the position about the word 'fugitive'. Let him complete. I have asked him about this word. I want to know whether this word is correct or not.

SHRI ARUN JAITLEY: Madam, the answer is that during the UPA Government's regime, he was not a fugitive. There was no warrant against him. It is only last week that a non-bailable warrant has been issued against him.

HON. SPEAKER: So, today, we can use the word 'fugitive'.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: We have no problem either way but the truth will come out.

HON. SPEAKER: Now, Shri Mallikarjun Kharge may ask for leave.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam Speaker, I seek the leave of the House for moving the Adjournment Motion regarding Action Taken by the Government on the reported involvement and admission of the Union Minister and related acts and actions in assisting a fugitive and the stand taken by the Government in this regard.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): मैडम, क्या इनके पास 50 मेम्बर्स हैं?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: When I am here, why are you asking this?

माननीय अध्यक्ष : मैंने अपने आपको केवल एक शब्द के लिए अज्ञानी कहा है, रूल्स के लिए नहीं कहा है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Is the leave opposed? यह जो एडजर्नमेंट मोशन पेश हुआ है, क्या उसे कोई अपोज कर रहा है?

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER:Now, leave is granted. अगर ओपोज़ नहीं कर रहे हैं तो 50 सदस्यों खड़े करने की आवश्यकता नहीं है। अगर ओपोज़ कर रहे हैं तो उसके लिए 50 सदस्यों की जरूरत पड़ती है।

...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : सरकार की ओर से हम बहस के लिए तैयार हैं। हम ओपोज़ नहीं कर रहे हैं।...(व्यवधान) हाउस बाद में डिसपोज करेगा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अगर यही चलना है तो मेरे लिए मुश्किल हो जाएगा। अब आप बैठ जाएं, आप तो बहुत होशियार हैं। Rule 61 Adjournment Motion is actually to be taken at 1600 hrs, यह जो नियम है, उसके अनुसार or at an earlier hour under Rule 62 and not less than two hours and thirty minutes, ढाई घंटे इस एडजॉर्नमेंट मोशन के लिए दिए जाते हैं। in view of the large number of Members desirous of participating. If you want to take up this discussion after Laying of the Papers it is all right or at what time should this be taken up?

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam Speaker, we can take up the discussion after Laying of the papers.

HON. SPEAKER: So, we can start the discussion after Laying of the papers. I have no objection.

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, ढाई घंटे क्यों देते हैं, समय सीमा मत बांधिए। जितनी देर बोलना चाहें, बोलने दिया जाए।

माननीय अध्यक्ष: ऐसा नहीं होता है।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Everybody should not give direction to me. I know what to do. Please take your seats. मैं इसके लिए ढाई घंटे निर्धारित कर रही हूं। आप जानते हैं कि ढाई घंटे से पांच-दस मिनट इधर-उधर हो जाते हैं, लेकिन ऐसा न करें, थोड़ा निर्णय मुझे भी लेने दीजिए।

12.37 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE